मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के समाज कार्य विभाग ने शिक्षा और व्यवहार के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिए सुपरवाइज़री मीट 2025 का किया आयोजन

नई दिल्ली, 29 सितम्बर 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के सामाज कार्य विभाग, फील्डवर्क यूनिट ने 26 सितंबर, 2025 को छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक क्षेत्र के संगठनों/ एनजीओ के बीच सार्थक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपनी सुपरवाइज़री मीट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने एनजीओ/ एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने, करियर संबंधी जानकारी प्राप्त करने और समाज कार्य एवं सामाजिक क्षेत्र के उभरते रुझानों से जुड़ने का एक अमूल्य अवसर प्रदान किया। इस बैठक में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 35 से अधिक एनजीओ प्रतिनिधियों के 57 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. रुबीना नुसरत (सह-निदेशक, फील्डवर्क) प्रतिभागियों और संगठनों के प्रतिनिधियों से जुड़कर सुपरवाइज़री मीट का मंच तैयार करेंगी। कार्यक्रम की शुरुआत समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. रवींद्र रमेश पाटिल के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने औपचारिक रूप से मुख्य अतिथि, सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन, प्रो. मोहम्मद मुस्लिम खान, एनजीओ प्रतिनिधियों और विभाग के संकाय सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने सुपरवाइज़री मीट की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की और सामाजिक रूप से जिम्मेदार और नैतिक आधार पर पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ताओं को तैयार करने के विभाग के मिशन पर प्रकाश डाला। एक फोटोग्राफिक हाइलाइट के माध्यम से, उन्होंने पिछले वर्षों के दौरान सहयोगी एनजीओ के साथ विभाग की उपलब्धियों और जुड़ाव पर विचार प्रस्तुत करते हुए छात्रों को मार्गदर्शन देने में उनकी निरंतर भूमिका के लिए एजेंसियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो. मोहम्मद मुस्लिम खान ने छात्रों की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा में एजेंसी की साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों की व्यावहारिक शिक्षा और करियर विकास सुनिश्चित करने के लिए एजेंसियों के साथ मजबूत साझेदारी के महत्व पर जोर दिया।

सुपरवाइज़री मीट के सभी प्रतिभागियों द्वारा औपचारिक परिचय दिया गया। बैठक का एक प्रमुख आकर्षण "पैराडिग्म शिफ्ट फ्रॉम चैरिटी टू राइट बेस्ड एप्रोच" पर ओपन हाउस था, जिसका संचालन प्रो. उशविंदर कौर पोपली ने किया। एजेंसी के प्रतिनिधियों ने फील्डवर्क को मजबूत करने, समाज कार्य पेशेवरों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल और गतिशील सामाजिक क्षेत्र की जरूरतों के अनुकूल होने की रणनीतियों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। एनजीओ प्रतिनिधि, माधवी कोटवाल सैमसन (एबीएचएएस), सुश्री दिशा (कैलाश सत्यार्थी), और सुश्री अरुणा (एचएक्यू) ने शैक्षिक और लर्निंग के अधिकतमकरण, मानसिक स्वास्थ्य और शैडो काउंसलिंग, व्यवहार परिवर्तन संचार में विशेषज्ञता की बढ़ती मांग, सामाजिक विकास में परियोजना प्रबंधन पर जोर दिया। डॉ. संजय (आश्रय अधिकार अभियान), कुसुम फारूकी (टीसीटीएफ), रानू कालरा, के.पी सिंह (नव सृष्टि), मासूम अख्तर (होप प्रोजेक्ट), राकेश सरकार (जामघाट) और रेणु (सीएएसपी) सहित अन्य प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षुओं की

नियुक्ति से पहले अभिविन्यास के महत्व, उचित योजना और संगठन के प्रति प्रशिक्षुओं के योगदान, समुदाय में शामिल होने के अवसर प्रदान करने आदि के बारे में बात की।

कार्यक्रम का समापन फील्ड वर्क और प्लेसमेंट के सह-निदेशक डॉ. लालमिंगमावी गंगटे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए संकाय सदस्यों, छात्रों, एजेंसी भागीदारों, सहायक कर्मचारियों और डीन के योगदान को स्वीकार किया। एक हाई टी और नेटवर्किंग सत्र ने प्रतिभागियों को आमने-सामने चर्चा करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और पेशेवर संबंधों को मजबूत करने का अवसर दिया। छात्रों, संकाय सदस्यों और एजेंसियों को एक मंच पर लाकर, इसने लर्निंग को बढ़ावा देने और ऐसे नेटवर्क बनाने का प्रयास किया जो अगली पीढ़ी के समाज कार्य पेशेवरों को सक्षमता, अनुकूलनशीलता और सेवा भावना के साथ अपने करियर को आगे बढ़ाने में सहायता करेंगे।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी